दैनिक जागरण
विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
वर्ष 43 अंक 42
पृष्ठ 18
वाराणसी, बुधवार
25 दिसंबर 2013
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00
₹ 5.00/- जागरण जोश PLUS के साथ

विकास कार्यों की जांच को कल पहुंचेगी टीम

बैरिया (बलिया) : विकास खंड मुरलीछपरा के ग्राम पंचायत शिवपुर (कर्णछपरा) के विकास कार्यों में अनियमितता की जांच करने 26 दिसंबर गुरुवार को जांच टीम गांव में पहुंचेगी।

यह जानकारी देते हुए उपजिलाधिकारी शीतला प्रसाद यादव ने बताया कि मनमोहन सिंह सहित अन्य द्वारा की गई शिकायत की जांच हेतु डीएम ने उपजिलाधिकारी बैरिया, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग बलिया व सहायक अभियंता ग्राम विकास अभियंत्रण बलिया की टीम गठित कर उक्त गांव में स्थलीय निरीक्षण व अन्य तरह की जांच करने को आदेशित किया है। उन्होंने ग्राम पंचायत अधिकारी शिवपुर (कर्णछपरा), एडीओ पंचायत मुरली छपरा, जेई आरइएस को आवश्यक कागजातों के साथ मौके पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। एसडीएम ने आग्रह किया है कि दिन में साढ़े ग्यारह बजे वे अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते है।

अब एसडीएम संग दो अभियंता करेंगे प्रधान मामले की जांच

बलिया : विकास खंड मुरली छपरा के गांव शिवपुर उर्फ कर्ण छपरा के प्रधान के विरुद्ध मनमोहन सिंह की शिकायत की जांच कराने के लिए जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी बैरिया की अध्यक्षता में 26 दिसंबर को शिकायत की प्रत्येक बिंदु पर जांच करने का निर्देश दिया है। एसडीएम के साथ जांच में सहयोग के लिए अधिशासी अभियंता आरईएस व सहायक अभियंता डीआरडीए को नामित किया गया है।

ग्राम सभा के ही मनमोहन सिंह पुत्र विनय सिंह ने प्रधान पर वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की थी। हालांकि इस ग्राम सभा की जांच एक बार जिलापूर्ति अधिकारी कर चुके हैं। मनमोहन सिंह की शिकायत के अनुसार प्रधान में हैंडपंप मरम्मत, पंचायत भवन मरम्मत, स्नानागार का निर्माण, नाली निर्माण व आरसी ढक्कन निर्माण, राबीस भराई कार्य, मिट्टी खड़ंजा कार्य सहित अन्य मद में सरकारी धन के बंदरबांट का आरोप लगाया है। ग्राम प्रधान पर सफाईकर्मियों से काम न लिए जाने का भी आरोप है। ग्रामीणों की शिकायत पर डीपीआरओ ने सफाईकर्मियों का वेतन भी रोक दिया था। इससे पूर्व कई बार ग्राम सभा के खाते के संचालन पर रोक भी लगाई जा चुकी है।

जनसंदेश टाइम्स
वाराणसी, बुधवार, 25 दिसम्बर, 2013

26 को होगी विकास कार्यों की जांच

द्वाबा। विकास खण्ड मुरलीछपरा के ग्राम पंचायत शिवपुर उर्फ कर्णछपरा के ग्रामीणों ने गांव में हुए विकास कार्यों की जांच के लिए जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया था। लेकिन शिकायत कर्ताओं की मनमानी एवं असंतोष से जांच कार्य नहीं हो पाया। इसको लेकर पुनः तीन अधिकारियों की कमेटी जांच के लिए गठित की गई है। अब यह जांच 26 दिसम्बर को पूर्वाह्न 11 बजे से शुरू होगी।

एसडीएम शीतला प्रसाद यादव ने बताया कि उक्त गांव के विकास कार्यों की जांच के लिए मेरे अलावा, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग बलिया व सहायक अभियंता जिला ग्राम्य विकास बलिया को नामित किया गया है। यह जांच निर्धारित तिथि को होगी। इसमें शिकायतकर्ता सभी साक्ष्यों के साथ उपस्थित होकर जांच में सहयोग करें। जांच में वही होगा जो सही एवं सत्य है।

अमर उजाला वाराणसी | बुधवार | 23 अक्तूबर 2013

प्रार्थनापत्र फेंक देने का जड़ा आरोप

अमर उजाला ब्यूरो

बलिया। मुरलीछपरा विकास खंड के शिवपुर उर्फ कर्णछपरा गांव के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को डीएम सुनील कुमार श्रीवास्तव पर दुर्व्यवहार करने और धांधली की शिकायत से संबंधित प्रार्थनापत्र फेंक देने का आरोप लगाया है। प्रतिनिधिमंडल नेअपर जिलाधिकारी खेमपाल सिंह पर भी प्रार्थनापत्र लेते हुए डांटने-फटकारने का आरोप लगाया। इस संबंध में डीएम का कहना है कि प्रार्थनापत्र ले लिया गया है। दुर्व्यवहार का आरोप बेबुनियाद है। प्रार्थनापत्र में की गई शिकायतों की जांच कराई जाएगी।

ग्रामीणों के अनुसार शिवपुर उर्फ कर्णछपरा के लिए दो साल में राज्य वित्त एवं 13वें वित्त से एक करोड़ 33 लाख 870 रुपये अवमुक्त हुए हैं। आरोप है कि विकास के ज्यादातर कार्य नहीं कराए गए हैं, कुछ कार्य आधा-अधूरे कराकर भुगतान करा लिया गया। तत्कालीन डीएम एसएन श्रीवास्तव ने इसकी जांच कराई थी। जांच अधिकारी जिलापूर्ति अधिकारी ने ग्राम प्रधान को निलंबित करने, तकनीकी सहायक, वीडीओ एवं तैनात सफाई कर्मियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की थी, लेकिन इस पर अमल नहीं हुआ। आरोप है कि वे लोग सोमवार को डीएम से इसकी शिकायत करने गए तो दुर्व्यवहार किया गया। ग्रामीण मंगलवार को इसकी शिकायत मंडलायुक्त से करना चाहते थे। ग्रामीणों के अनुसार इसकी जानकारी मिलने के बाद एडीएम खेमपाल सिंह ने उन्हें बुलाया और डांट-फटकार कर मामला शांत करने का प्रयास किया।

मंडलायुक्त से मिलने पहुंचे शिवपुर उर्फ कर्णछपरा गांव के लोग।

- जिलाधिकारी पर दुर्व्यवहार करने का भी लगाया आरोप
- जिलाधिकारी ने आरोपों को बेबुनियाद करार दिया

ला 27-अक्टूबर-2013

अक्टूबर 2013

जांच की तिथि पूछी तो किया पुलिस के हवाले

संवाददाता

पुलिस ने गांववालों को पांच घंटे थाने में बैठाया, रोष

बैरिया। मुरलीछपरा ब्लाक के कर्णछपरा गांव के लोग शनिवार को एसडीएम के यहां पहुंचे और गांव के विकास कार्यों की जांच करने की तिथि पूछने लगे। मांग पर अड़े लोगों को एसडीएम ने पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस थाने में करीब पांच घंटे उन्हें बैठाए रही। देरशाम सभी को छोड़ा।

बीते दिनों कर्णछपरा के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी सुनील कुमार श्रीवास्तव से मिल कर गांव के विकास कार्यों के लिए आए लाखों रुपये का गोलमाल करने का आरोप लगाया था।

मामले की जांच डीएम ने एसडीएम को सौंप दी थी। ग्रामीण एसडीएम शीतला प्रसाद के यहां शनिवार को जाकर जांच की लिखित तिथि देने की मांग करने लगे। इससे गुस्साए एसडीएम ने बैरिया थाने की पुलिस को बुला लिया। पुलिस ग्रामीणों को हिरासत में लेकर थाने चली आई। देरशाम को उन्हें करीब पांच घंटे बाद छोड़ दिया गया। एसडीएम की इस कार्रवाई से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

> गांव में जांच के दौरान ग्रामीणों ने अभद्रता की, वहीं कार्यालय में इसी तरह का बर्ताव किया। जिसकी वजह से मुझे पुलिस की सहायता लेनी पड़ी।
>
> -शीतला प्रसाद एसडीएम बैरिया

अमर उजाला | वाराणसी | शुक्रवार | 27 दिसंबर 2013

विकास कार्यों की जांच करने पहुंची टीम

संवाददाता

जयप्रकाशनगर। शिवपुर करनछपरा ग्राम पंचायत में गड़बड़ी की शिकायत पर कई बार जिलाधिकारी से ग्रामीणों द्वारा किया गया था। मामले में जिलाधिकारी ने एसडीएम शीतला प्रसाद यादव के नेतृत्व में जांच टीम का गठन किया। गुरुवार को जांच टीम स्थलीय निरीक्षण के लिए शिवपुर करनछपरा पहुंची।

टीम में डीआरडीए के एई उमेशचंद्र गुप्ता, आरईएस के एई बीके त्रिपाठी, आरईएस के जेई मिथिलेश कुमार, एडीओ पंचायत संजय सिंह, एडीओ कोआपरेटिव केके झा, सचिव विनोद तिवारी, विकास खंड मुरलीछपरा के जेई विनय कुमार रहे। अधिकारियों ने ग्रामसभा में हुए विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। एसडीएम ने बताया कि रिपोर्ट तैयार कर डीएम सौंप दी जाएगी। यदि किसी को कोई और शिकायत है, तो वह शिकायत कर सकता है। मौके पर सुरक्षा के लिए बैरिया सीओ कालू राम दोहरे, बैरिया एसओ सूर्यभान सिंह, दोकटी थाना के प्रभारी विजय शंकर के साथ ही माप के लिए कानूनगो और लेखपाल रहे। निरीक्षण के दौरान ग्रामीण सच्चिदानंद सिंह, श्रीकृष्ण, लल्लन सिंह, उपेंद्र सिंह आदि रहे।

कर्णछपरा ग्राम पंचायत के विकास कार्यों की जांच 26 को

बैरिया। मुरली छपरा ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत शिवपुर उर्फ कर्णछपरा में ग्राम पंचायत द्वारा कराये गये विकास कार्यों की जांच 26 दिसम्बर को साढ़े ग्यारह बजे से होगी। उपजिलाधिकारी शीतला प्रसाद यादव ने बताया कि उक्त ग्राम पंचायत के मनमोहन सिंह द्वारा जिलाधिकारी के यहां ग्राम प्रधान के विरुद्ध विकास कार्यों में अनियमितता की शिकायत की गयी है, जिसमें जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी बैरिया, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग व सहायक, अभियंता जिला ग्राम विकास अभिकरण बलिया की टीम गठित की है। जांच टीम 26 दिसम्बर को साढ़े ग्यारह बजे से उपस्थित रहेगी। इस अवसर पर समिति द्वारा जांच की जाएगी। इस अवसर पर समस्त शिकायतकर्ता व अन्य सम्बंधी व्यक्ति उपस्थित होकर अपनी पक्ष जांच दल के समक्ष प्रस्तुत करें।

ग्राम प्रधान के विरुद्ध होगी जांच

बैरिया। मुरली छपरा ब्लाक के करण छपरा निवासी मनमोहन सिंह की शिकायत पर डीएम सुनील कुमार श्रीवास्तव ने प्रधान के विरुद्ध विकास कार्य की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित की गई है। 26 दिसंबर को टीम जांच करेगी।

जनसंदेश टाइम्स
वाराणसी, शुक्रवार, 27 दिसम्बर, 2013

अधिकारियों की टीम पहुंची कर्णछपरा

जांच

विकास कार्यों की हुई जांच भारी संख्या में रही पुलिस की तैनाती

ग्राम प्रधान व विपक्षियों में होती रही तू-तू-मैं-मैं

द्वाबा। विकास खण्ड मुरली छपरा के शिवपुर उर्फ करन छपरा गांव में गुरुवार को ग्राम प्रधान द्वारा कराए गए विकास कार्यों की जांच के लिए पूरा गांव में छावनी में तब्दील हो गया था। गांव में ज्यादा तनाव होने के चलतें जांच अधिकारियों ने पुलिस व महिला पुलिस की तैनाती को उचित समझा था। जिलाधिकारी सुनील कुमार श्रीवास्तव के निर्देश पर त्रिस्तरीय अधिकारियों की जांच कमेटी ने पूरे दिन जांच किया। अधिकारियों से हवाले से बताया गया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही ग्राम प्रधान पर कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान पूरे दिन ग्राम प्रधान विपक्ष के लोगों में तू-तू मैं-मैं होती रही।

शिवपुर उर्फ करणछपरा गांव में डीआरडीए के सहायक अभियंता उमेश चन्द्र गुप्ता, आरईएस के सहायक अभियंता बीके त्रिपाठी, आरईएस के अवसर अभियंता मिथिलेश कुमार व ब्लाक के एडीओ पंचायत संजय कुमार सिंह, तकनीकी सहायक व एडीओ कोआपरेटिव अखिलेश झा ने उपजिलाधिकारी बैरिया शीतला प्रसाद यादव की देखरेख में ग्राम प्रधान कैलाश राम द्वारा कराए गए विकास कार्यों की जांच शिकायतकर्ताओं के शिकायत के आधार पर किया। इस गांव में पूर्व में भी जांच हुए है परंतु गवई गोलबंदी के चलते गांव में काफी तनाव है।

उपजिलाधिकारी ने बताया कि जांच के बाद रिपोर्ट आने पर ही ग्राम प्रधान के खिलाफ कार्रवाई होगी। जांच के दौरान क्षेत्राधिकारी बैरिया कालू राम दोहरे, थानाध्यक्ष बैरिया सूर्यभान सिंह, थाना दोकटी से भी काफी फोर्स, महिला पुलिस के अलावा तमाम अधिकारी व कर्मचारी गांव में मौजूद रहे। इस परिप्रेक्ष्य में ग्राम प्रधान कैलाश राम से पूछे जाने पर उनका कहना है कि जांच का मैं स्वागत कर रहा हूं। परंतु मुझे इस गांव में अकेले एक जाति का हूं इसलिए मुझे तंग किया जा रहा है। इसके पूर्व भी कई लोग प्रधान रहे है, उन्होंने कुछ नहीं कराया बावजूद इसके उनकी जांच नहीं हुई। पूर्व प्रधान लल्लन सिंह ने कहा कि मैं भी इस गांव का प्रधान कभी रहा हूं, परंतु आज तक किसी ने मेरे ऊपर उंगली नहीं उठायी, लेकिन यह हास्यास्पद विषय है कि सवर्ण बाहुल्य गांव में वर्तमान प्रधान को लोग पचा नहीं पा रहे है।

आपसी द्वेष व रंजिश के कारण बार-बार जांच अधिकारियों को तंग किया जा रहा है। कुल मिलाकर जांच रिपोर्ट आने के बाद ही कार्रवाई सुनिश्चित होगी। परंतु गांव में आक्रोश इतना है कि कभी भी कोई अप्रिय घटना घटित हो सकती है।